University in News on 17 December 2023

SWATANTRA BHARAT PAGE 2

लविवि में राष्ट्रीय कार्यशाला सम्पन्न

स्वतंत्र भारत संवाददाता,लखनऊ। शेरपा की ओर से लविवि के समाजशास्त्र विभाग द्वारा ऑनलाइन द हिमालयन इकोलॉजी एंड फ्यूचर पाथवे पर राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। शेरपा के संस्थापक, हिमालय समर्थक और दूरदर्शी आईएएस अधिकारी स्वर्गीय टी.एन.धर की जयंती है। शेरपा के अध्यक्ष जी.पटनायक आईएएस ने कहा कि सिल्कयारा घटना का दुर्भाग्यपूर्ण परिदृश्य नहीं होना चाहिए था लेकिन यह एक प्रकार की मानव निर्मित आपदा थी। मुख्य अतिथि प्रो.एस.एम. दिल्ली विश्वविद्यालय में मानव विज्ञान विभाग के प्रमुख और जनजातीय अध्ययन केंद्र के निदेशक पटनायक ने कहा कि हिमालय का पहला चरण अंतर-सामुदायिक यात्रा, व्यापार और रेशम मार्ग हैं जो भारत-चीन और भारत-पाकिस्तान के अशांत संबंधों के कारण अवरुद्ध हैं। अब यह एक भौगोलिक दृष्टिबाधित स्थान है,अब यह सैन्य निगरानी तक सीमित हो गया है, तीसरा चरण सर्वविदित है संसाधनों का अत्यधिक अविवेकपूर्ण उपयोग। इसे केवल मानवीय हस्तक्षेप से ही कम किया जा सकता है, जो कठिन प्रतीत होता है। प्रो.बी.डब्ल्यू. पांडे निदेशक सेंटर फॉर हिमालयन स्टडीज, दिल्ली विश्वविद्यालय ने कहा कि इस क्षेत्र में 37,000 प्रजातियां हैं और उनमें से अधिकांश नष्ट हो गई हैं, सभी सड़कों और बुनियादी ढांचे का निर्माण नदी जल निकासी प्रणाली पर किया गया है जो टेक्टोनिक दोषों से ऊपर है। पूरा क्षेत्र बस्तियों से भर गया है, सेब और बागों की खेती की गतिविधियों में कुल बदलाव कम हो रहा है, और 370 के बाद वहां ढांचागत विकास बढ़ रहा है। उन्होंने समाधान के रूप में स्थानीय स्वदेशी ज्ञान का प्रस्ताव रखा। लविवि के समाजशास्त्र विभाग के अध्यक्ष प्रोफेसर डॉ. साहू ने कहा कि पारिस्थितिक संतुलन ही एकमात्र समाधान है। डॉ.एस.के. ढल ने समस्या के समाधान के लिए सभ्यतागत और भारतीय दृष्टिकोण का सुझाव दिया। प्रो.रंगोली चंद्रा ने अतिथियों का स्वागत किया।

वैकल्पिक विवाद निपटारे पर की चर्चा

स्वतंत्र भारत संवाददाता,लखनऊ। प्रो बोनो क्लब, विधि संकाय विश्वविद्यालय ने वैकल्पिक विवाद निपटारे और उसकी प्रक्रिया तथा बारिकियों पर एक कार्यशाला का आयोजन किया। इस वर्कशाप के मुख्य वक्ता रिटायर्ड जज बृजमोहन गुप्ता थे। कार्यक्रम का उद्घाटन विधि संकायाध्यक्ष प्रो.बंशीधर सिंह ने किया। इन्होंने इस वर्कशाप की उपयोगिता को बताते हुए कहा कि इस प्रकार के कार्यक्रम समय-समय पर आयोजित होते रहने चाहिए जिससे विद्यार्थी एडीआर की बारीकियों को सीख पाएंगे। मुख्य वक्ता बृजमोहन गुप्ता ने विस्तार से लोक अदालत एवं उसके कार्यों की चर्चा किया। प्रो बोनो क्लब के फेकल्टी कोआर्डिनेटर डॉ.आलोक कुमार यादव ने सभी का स्वागत किया तथा इस कार्यक्रम के बारे में अपना विचार रखा। इस कार्यक्रम में एडिशनल डी.एस.डब्लू. डॉ.अभिषेक कुमार तिवारी तथा प्रो बोनो क्लब के एसोसिएट व विधिक सहायता केंद्र के सभी सदस्य उपस्थित रहे।

ओमोडिंग डैनियल को राष्ट्रीय सम्मेलन में द्वितीय पुरस्कार

स्वतंत्र भारत संवाददाता,लखनऊ। ओमोडिंग डैनियल जो युगांडा के नागरिक हैं और अंतरराष्ट्रीय पीएच.डी. छात्र के रूप में लखनऊ विश्वविद्यालय के रसायन विज्ञान विभाग कार्य कर रहे हैं। डेनियल को राष्ट्रीय पर्यावरण विज्ञान अकादमी (एनईएसए),नई दिल्ली और सीएसआईआर-राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान, लखनऊ द्वारा संयुक्त रूप से हरित रसायन विज्ञान, प्रदूषण नियंत्रण और जलवायु परिवर्तन में हालिया रुझान और चुनौतियां (जीपीसीसी-2023) विषय पर आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में पोस्टर प्रस्तुति में दूसरा पुरस्कार मिला। इस सम्मेलन में उन्होंने अपना शोध कार्य प्रस्तुत किया जिसका शीर्षक था डाई और एंटीबायोटिक अपघटन के लिए फोटोकैटलिस्ट के रूप में 2-(3,5-डाइकारबॉक्सीफेनिल)-6-कार्बोक्सीबेंज़िमिडाज़ोल से प्राप्त न्यू ट्रांज़िशन मेटल कोऑर्डिनेशन पॉलिमर। लविवि के कुलपति प्रो.आलोक कुमार राय, रसायन विज्ञान विभाग के प्रमुख प्रो.अनिल मिश्रा और रसायन विज्ञान विभाग के अन्य संकाय सदस्यों ने ओमोडिंग डेनियल को इस सफलता के लिए बधाई दी।

डॉ.आदित्य को राष्ट्रीय सम्मेलन में मिला प्रथम पुरस्कार

स्वतंत्र भारत संवाददाता,लखनऊ। विश्वविद्यालय के वनस्पति विज्ञान विभाग की प्रो.गौरी सक्सेना ने हाल के रुझानों और चुनौतियों पर राष्ट्रीय सम्मेलन में औषधीय पौधों, हरित ऊर्जा और ऊतक संस्कृति और आनुवंशिक परिवर्तन के सतत उपयोग के क्षेत्र में उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए राष्ट्रीय पर्यावरण विज्ञान अकादमी-महिला उत्कृष्टता पुरस्कार जीता। राष्ट्रीय पर्यावरण विज्ञान अकादमी, नई दिल्ली और वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान परिषद-राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान, लखनऊ उत्तर प्रदेश द्वारा संयुक्त रूप से 14 से 16 दिसंबर तक हरित रसायन विज्ञान और प्रदूषण नियंत्रण और जलवायु परिवर्तन (जीपीसीसी-2023) का आयोजन किया गया। प्रो.गौरी सक्सेना के नाम कई प्रतिष्ठित पुरस्कार और कई अंतरराष्ट्रीय प्रकाशन हैं। लविवि के वनस्पति विज्ञान विभाग की सहायक प्रोफेसर डॉ.आदित्य आभा सिंह ने जलवायु परिवर्तन विषय पर केंद्रित मौखिक प्रस्तुति की श्रेणी में इस राष्ट्रीय सम्मेलन में प्रथम पुरस्कार जीता।

AMRIT VICHAR PAGE 4

द हिमालयन इकोलॉजी एंड फ्यूचर पाथवे पर राष्ट्रीय कार्यशाला आयोजित

लखनऊ : शेरपा की ओर से लखनऊ विश्वविद्यालय के समाजशास्त्र विभाग द्वारा 'द हिमालयन इकोलॉजी एंड फ्यूचर पाथवे' पर राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया गया था। टीएन धर शेरपा के अध्यक्ष जी पटनायक आईएएस ने कहा कि 'सिल्कयारा' घटना का दुर्भाग्यपूर्ण परिदृश्य नहीं होना चाहिए था लेकिन यह एक प्रकार की मानव निर्मित आपदा थी। मुख्य अतिथि प्रो. एसएम दिल्ली विश्वविद्यालय में मानव विज्ञान विभाग के प्रमुख और जनजातीय अध्ययन केंद्र के निदेशक पटनायक ने कहा कि हिमालय का पहला चरण अंतर-सामुदायिक यात्रा, व्यापार और रेशम मार्ग हैं जो भारत-चीन और भारत-पाकिस्तान के अशांत संबंधों के कारण अवरुद्ध हैं। अब यह एक भौगोलिक दृष्टिबाधित स्थान है।

प्रो. बीडब्ल्यू पांडे निदेशक सेंटर फॉर हिमालयन स्टडीज दिल्ली विश्वविद्यालय ने कहा कि इस क्षेत्र में 37,000 प्रजातियां हैं और उनमें से अधिकांश नष्ट हो गई हैं। सभी सड़कों और बुनियादी ढांचे का निर्माण नदी जल निकासी प्रणाली पर किया गया है। जो टेक्टोनिक दोषों से ऊपर है। पूरा क्षेत्र बस्तियों से भर गया है। उन्होंने समाधान के रूप में स्थानीय स्वदेशी ज्ञान का प्रस्ताव रखा।

बौद्ध दर्शन में क्रोध प्रबंधन की अवधारणा पर व्याख्यान

लखनऊ : लविवि के दर्शनशास्त्र विभाग के द्वारा शनिवार को सैटरडे सेमिनार की विशेष श्रृंखला के अंतर्गत विभागाध्यक्षा डॉ. रजनी श्रीवास्तव के संरक्षण में एक व्याख्यान का आयोजन किया गया। इस व्याख्यान में दर्शनशास्त्र विभाग के अंतरराष्ट्रीय शोध छात्र नानिसारा जो कि म्यांमार के हैं ने अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया। उनके द्वारा प्रस्तुत व्याख्यान का विषय 'बौद्ध दर्शन में क्रोध (डोसा) और क्रोध-प्रबंधन की अवधारणा पर एक अध्ययन' रहा।

VOICE OF LUCKNOW PAGE 6

ओमोडिंग डैनियल को मिला दूसरा पुरस्कार

लखनऊ। ओमोडिंग डैनियल जो युगांडा के नागरिक हैं और अंतरराष्ट्रीय पीएचडी छात्र के रूप में लखनऊ विश्वविद्यालय के रसायन विज्ञान विभाग कार्य कर रहे हैं। डेनियल को राष्ट्रीय पर्यावरण विज्ञान अकादमी (एनईएसए), नई दिल्ली और सीएसआईआर-राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान, लखनऊ द्वारा संयुक्त रूप से हरित रसायन विज्ञान, प्रदूषण नियंत्रण और जलवायु परिवर्तन में हालिया रुझान और चुनौतियां (जीपीसीसी-2023) विषय पर आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में पोस्टर प्रस्तुति में दूसरा पुरस्कार मिला। लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय के रसायन विज्ञान विभाग के प्रमुख प्रो. अनिल मिश्रा और रसायन विज्ञान विभाग के अन्य संकाय सदस्यों ने ओमोडिंग डेनियल को इस सफलता के लिए बधाई दी।

प्रो. गौरी ने जीता राष्ट्रीय पर्यावरण विज्ञान अकादमी-महिला उत्कृष्टता पुरस्कार

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के वनस्पति विज्ञान विभाग की प्रो. गौरी सक्सेना ने हाल के रुझानों और चुनौतियों पर राष्ट्रीय सम्मेलन में औषधीय पौधों, हरित ऊर्जा और ऊतक संस्कृति और आनुवंशिक परिवर्तन के सतत उपयोग के क्षेत्र में उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए राष्ट्रीय पर्यावरण विज्ञान अकादमी-महिला उत्कृष्टता पुरस्कार जीता। राष्ट्रीय पर्यावरण विज्ञान अकादमी, नई दिल्ली और वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान परिषद-राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान, लखनऊ उत्तर प्रदेश द्वारा संयुक्त रूप से 14 से 16 दिसंबर तक हरित रसायन विज्ञान और प्रदूषण नियंत्रण और जलवायु परिवर्तन (जीपीसीसी-2023) का आयोजन किया गया। प्रो. गौरी सक्सेना के नाम कई प्रतिष्ठित पुरस्कार और कई अंतरराष्ट्रीय प्रकाशन हैं। लखनऊ विश्वविद्यालय के वनस्पति विज्ञान विभाग की सहायक प्रोफेसर डॉ. आदित्य आभा सिंह ने जलवायु परिवर्तन विषय पर केंद्रित मौखिक प्रस्तुति की श्रेणी में इस राष्ट्रीय सम्मेलन में प्रथम पुरस्कार जीता।

JAGRAN CITY PAGE III

लवि : प्रो. गौरी सक्सेना को मिला पुरस्कार

जासं, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय के वनस्पति विज्ञान विभाग की प्रोफेसर गौर सक्सेना को राष्ट्रीय पर्यावरण विज्ञान अकादमी-महिला उत्कृष्टता पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। राष्ट्रीय पर्यावरण विज्ञान अकादमी, नई दिल्ली, वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान परिषद-राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान (एनबीआरआइ) लखनऊ की ओर से 14 से 16 दिसंबर तक आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में प्रो. गौरी सक्सेना को यह सम्मान औषधीय पौधों, हरित ऊर्जा और ऊतक संस्कृति और आनुवंशिक परिवर्तन के सतत उपयोग के क्षेत्र में उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए दिया गया। रसायन विज्ञान विभाग से पीएच.डी कर रहे अंतरराष्ट्रीय छात्र ओमोडिंग डैनियल को भी राष्ट्रीय सम्मेलन में पोस्टर प्रस्तुति में दूसरा परस्कार मिला।

HINDUSTAN PAGE 7

युगांडा के ओमोडिंग डैनियल को पुरस्कार

लखनऊ। एलयू में अंतरराष्ट्रीय पीएचडी छात्र युगांडा के ओमोडिंग डैनियल को राष्ट्रीय पर्यावरण विज्ञान अकादमी (एनईएसए), नई दिल्ली और सीएसआईआर द्वारा संयुक्त रूप से हरित रसायन विज्ञान, प्रदूषण नियंत्रण और जलवायु परिवर्तन में हालिया रुझान और चुनौतियां (जीपीसीसी-2023) विषय पर आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में पोस्टर प्रस्तुति में दूसरा पुरस्कार मिला।

प्रो. गौरी सक्सेना को मिला पुरस्कार

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के वनस्पति विज्ञान विभाग की प्रो गौरी सक्सेना ने राष्ट्रीय पर्यावरण विज्ञान अकादमी-महिला उत्कृष्टता पुरस्कार जीता। राष्ट्रीय पर्यावरण विज्ञान अकादमी और वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान परिषद-राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान द्वारा संयुक्त रूप से 14 से 16 दिसंबर तक आयोजित जीपीसीसी-2023 में उन्हें नवाजा गया।

एलएलबी परीक्षा के लिए 25 केन्द्र

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्याय ने 26 दिसम्बर से शुरू होने एलएलबी की परीक्षा के लिए परीक्षा केन्द्रों की सूची जारी कर दी है। 26 दिसम्बर से एलएलबी तीन वर्षीय पाठ्यक्रम और एलएलबी इंटीग्रेटेड विषम सेमेस्टर की परीक्षा शुरू होनी है। इसके लिए विश्वविद्यालय ने लखनऊ समेत पांच जिलों में 25 केन्द्र बनाए हैं। वहीं, 11 नोडल केन्द्र बनाए गए हैं।

i-NEXT PAGE 5

ओमोडिंग डैनियल को दूसरा पुरस्कार

LUCKNOW: एलयू के अंतरराष्ट्रीय पीएचडी छात्र ओमोडिंग डैनियल राष्ट्रीय पर्यावरण विज्ञान अकादमी (एनईएसए), नई दिल्ली और सीएसआईआर-राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान, की ओर से आयोजित सम्मेलन में पोस्टर प्रस्तुति में दूसरा पुरस्कार मिला. इस सम्मेलन में उन्होंने अपना शोध कार्य प्रस्तुत किया जिसका शीर्षक डाई और एंटीबायोटिक अपघटन के लिए फोटोकैटलिस्ट के रूप में 2-(3,5-डाइकारबॉक्सीफेनिल)-6-कार्बॉक्सी बेंजिमिडाजोल से प्राप्त न्यू ट्रांजिशन मेटल कोऑर्डिनेशन पॉलिमर. कुलपति प्रोफेसर आलोक कुमार राय ने छात्र को बधाई है.